

यायालय बईजलास उपखण्ड अधिकारी चाकसू जिला, जयपुर

पीठासीन अधिकारी :- अशोक कुमार (आरएएस)

वाद संख्या :- 273/2017

निर्णय दिनांक :- 19.07.2022

उनवान

1. कल्याण पुत्र नैहनू जाति कुम्हार, निवासी ग्राम रूपनगर
तहसील कोटखावदा, जिला जयपुर।

—वादी

बनाम

1. मुकेश
2. हेमराज
3. छोटू पुत्रान् जगदीश
4. शान्ति बेवा जगदीश
5. ग्यारसी
6. काली
7. नानगी
8. मंगली पुत्रिया जगदीश
9. चोथ्या पुत्र नारायण
10. काना पुत्र नारायण
समस्त जाति जाति कुम्हार, निवासी ग्राम रूपनगर
तहसील कोटखावदा, जिला जयपुर।
11. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार तहसील कोटखावदा
जिला जयपुर राज0 ।

—प्रतिवादीगण



23
आधिकारी
(जयपुर)

राज.टेनेन्सी एक्ट

वादी ने वाद निम्न प्रकार से पेश किया कि कि तहसील कोटखावदा के पटवार क्षेत्र रामनगर, ग्राम रूपनगर में वादी व प्रतिवादीगण की खातेदारी जमीन है। जिसके खाता सं. 25 में खसरा नंबर 02 रकबा 0.02 है, खसरा नंबर 03 रकबा 0.50 है, खसरा नंबर 04 रकबा 0.62 है, खसरा नंबर 05 रकबा 0.50 है, खसरा नंबर 06 रकबा 0.54 है, खसरा नंबर 07 रकबा 0.43 है, खसरा नंबर 08 रकबा 0.40 है, खसरा नंबर 09 रकबा 0.41 है, खसरा नंबर 10 रकबा 0.43 है, कुल किता 09 कुल रकबा 3.85 है स्थित है। जो वर्तमान में वादी व प्रतिवादीगण के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। वादग्रस्त आराजी का खाता अभी संयुक्त खाता है पक्षकारों का अलग अलग हिस्सा व लगान कायम नहीं हुआ है। तथा पक्षकारों ने अपनी अपनी मर्जी से अपने अपने हिस्से कर रखे हैं। जिसमें वादी का संपूर्ण हिस्सा पृथक से एक तरफ है जिसे वादी ने अपनी पूरी मेहनत व लगन से उपजाऊ बनाया है। वादी एक सीधा साधे भौला भाला किसान है जबकि प्रतिवादीगण काफी तेज है वादी के सादगीपन का नाजायज फायदा उठाते हुए वादी को बाहमी बटवारे के अनुसार आई संपूर्ण हिस्से की भूमि पर बोरिंग, कुआ, सोर ऊर्जा प्लान्ट व पक्का मकान बना रखा है तथा करीब 100-150 पौधे लगा रखे हैं व अपने हिस्से में एक तरफ आई संपूर्ण भूमि पर गड्डू गाड़ कर तारबंदी कर रखी है से बेदखल करना चाहते हैं तथा वादी को अपने हिस्से में आये खसरा नंबर के उपयोग उपभोग करने नहीं देते हैं तथा जोतने में बाधा उत्पन्न करते हैं तथा आये दिन वादी को हैरान व परेशान करते हैं, ना ही फसल बोने देते हैं और उनको उनके हिस्से की आराजी भूमि से बेदखल करना चाहते हैं। वादी ने प्रतिवादीगण से हाथ जोड़ कर निवेदन किया देखो कि मैं

काश्त कर अपने परिवार का जीविकापार्जन करता हूँ आप आये दिन मुझे परेशान करते हो तथा आपसी झगडे पर उतारू होते हो। यदि तुम्हे किसी प्रकार का संकोच है तो तकासमा करवा लो लेकिन वे इस बात से सहमत नहीं हुऐ। प्रतिवादीगण ने अपने नापाक इरादे को कायमयाब करने की गरज से दिनांक 24.10.2017 को वादग्रस्त आराजी में वादी के हिस्से में आई भूमि से काश्त करने से मना कर दिया तथा वेदखल करने पर उतारू है। वादी के मना करने पर व आपस में लोगो के समझाने पर प्रतिवादीगण वहां से चले गये पर जाते ऐलानिया धमकी देकर गये कि चाहे जो करना पडे हम तुम्हे तुम्हारे हिस्से की आराजी भूमि से वेदखल कर देगे। इसलिए वादी के लिए यह आवश्यक हो गया कि वह अपने हिस्से की जमीन का तकासमा करवा कर अलग से अपना खाता कायम करवाये तथा प्रतिवादीगण को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द करवाये। दिनांक 24.10.2017 को प्रतिवादीगण ने वादी को अपने हिस्से की आराजी भूमि से काश्त करने से मना करने व खरार नहीं करने की धमकी देने से वादकारण उत्पन्न हुआ जो निरन्तर जारी है। प्रतिवादी सं. 11 भूमिधारी होने से पक्षकार बनाया गया है. इनके खिलाफ दावे में कोई रिलिफ नहीं चाही गई है। दावा बहक वादी विरुद्ध प्रतिवादीगण तकासमा का डिक्री किया जाकर वादग्रत आराजी वर्णित खसरा नंबर 02 रकबा 0.02 है0, खसरा नंबर 03 रकबा 0.50 है0, खसरा नंबर 04 रकबा 0.62 है0, खसरा नंबर 05 रकबा 0.50 है0, खसरा नंबर 06 रकबा 0.54 है0, खसरा नंबर 07 रकबा 0.43 है0, खसरा नंबर 08 रकबा 0.40 है0, खसरा नंबर 09 एकबा 0.41 है0, खसरा नंबर 10 रकबा 0.43 है0, कुल कित्ता 09 कुल रकबा 3.85 है0 वाके ग्राम रूपनगर, तहसील कोटखावदा, जिला जयपुर में से वादी के हिस्से का विधिवत तकासमा किया जाकर वादी का अलग खाता व अलग लगान कायम किया जावें व प्रतिवादीगण को

3-3
आधिकारी
(जयपुर)

रखाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जावे की वे वादी के आने जाने में मजाहमत पैदा नहीं करे, ना ही वादी के कब्जे काश्त व उपयोग उपयोग में किसी प्रकार की बाधा कारित करे, ना तो स्वयं करें और ना ही किसी अपने एजेन्ट, सर्वेन्ट आदि दीगर व्यक्तियों से करवायें।


प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी की तलबी जारी की गयी वकील वादी ने कथन किया कि जावे, अतः दावा तकासमें का होने से दावा वादी प्राथमिक डिक्री किया जाकर दिनांक 29.06.2018 को मीट्स एण्ड बाउण्डस के आधार पर तकासमा किये जाने के आदेश दिये जाकर तहसीलदार कोटखावदा को कमिश्नर नियुक्त किया जाकर निदेशित किया गया कि दोनो पक्षो की मौजूदगी में तकासमा प्रस्ताव बनाकर पेश करे, जिसकी पालना हेतु तहसीलदार चाकसू को पत्र क्रमांक राजस्व/18/5286 दिनांक 29.06.2018 व 639 दिनांक 11.02.2022 के द्वारा लिखा गया, तहसीलदार कोटखावदा ने आदेश की पालना में क्रमांक भूअ/2022/165 दिनांक 20.01.2022 को कुर्रैजात रिपोर्ट भिजवायी गयी जो शामिल पत्रावली किये जाकर कुर्रैजात रिपोर्ट का अवलोकन वकील वादी को करवाया गया तो वकील वादी ने कुर्रैजात रिपोर्ट का अवलोकन कर कथन किया कि कुर्रैजात रिपोर्ट सहमति से बनाये गये है जो सही है, उक्त कुर्रैजात रिपोर्ट अनुसार दावा वादी डिक्री किये जाने की सहमति जाहिर करते हुये मुताबिक कुर्रैजात डिक्री किया जाना जाहिर किया।

वकील वादी की बहस पर गौर किया व कुर्रैजात रिपोर्ट एवं पत्रावली का परीक्षण किया गया तो कुर्रैजात रिपोर्ट प्राथमिक डिक्री के अनुरूप बनाये गये हैं। वादी वकील द्वारा कुर्रैजात रिपोर्ट पर किसी प्रकार से आपत्ति नहीं किये जाने से एवं कुर्रैजात राजस्व मंडल के नियमानुसार बनाये जाने से दावा वादी मुताबिक कुर्रैजात रिपोर्ट अनुसार डिक्री किया जाना उचित समझते हैं।

डा. अधिकारी
सू (जयपुर)

D:\Office\CRT\kalyan vs mukesh .docx

अतः वादी का वाद स्वीकार कर मुताबिक कुर्रेजात डिक्री किये जाने के आदेश दिये जाते है। कुर्रेजात के अनुसार खाता व लगान पृथक पृथक किया जावें। नक्शा कुर्रेजात निर्णय व डिक्री के पार्ट रहेगे। निर्णय अनुसार डिक्री जारी हो। निर्णय की पालना हेतु तहसीलदार को लिखा जावें। पत्रावली बाद तकमील दाखिल दफतर हो।


(अशोक कुमार)
उपखण्ड अधिकारी
चाकसू (जयपुर)